Email: directoracad.cbse@nic.in
Webite: www.cbseacademic.in

Tel: 011-23212603
Tele Fax: 011-23234324

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, के अधीन एक स्वायत्त संगठन)
शिक्षासदन, 17, इन्सटिट्यूशनल क्षेत्र, राउज एवेन्यु, दिल्ली–110002.

CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION
(An Autonomous Organization under the Union Ministry of Human Resource Development, Govt. of India)
"ShikshaSadan", 17, Institutional Area, Rouse Avenue, New Delhi-110002.

के.मा.शि.बो./शै./(एस.पी.) 2015 **दिनांक: 1 जनवरी, 2015**

परिपत्र संख्या-शैक्षणिक. 01/2015

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से संबद्ध
सभी विद्यालय प्रमुखों के लिए

विषय: नव वर्ष की शुभकामनाएँ 2015!

प्रिय प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या,

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से नववर्ष की शुभकामनाएँ! आइये, एक नए स्वागत लेख से इस नए वर्ष में प्रवेश करें!

वर्ष 2015 की प्रथम बेला पर केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अपने सभी हितधारकों को उनके सहयोग, समर्थन, व्यावसायिक अंतर्दृष्टि की साझेदारी तथा गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने के दौरान मिली सफलताओं के लिये धन्यवाद करता है | आज वर्ष 2015 के शुरू होने पर हमें सभी छात्रों को भविष्य में सुलभ, उत्कृष्ट तथा समग्र शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रयास करने की आवश्यकता है, क्योंकि यही सभी बच्चों के लिए शिक्षा के मौलिक अधिकार, समावेशी शिक्षा के मूल्यांकन तथा एक सुरक्षित शिक्षण माहौल उपलब्ध कराने का एक वास्तविक कार्यान्वयन होगा।

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से संबद्ध विद्यालयों ने अपने संस्थानों में के.मा.शि.बो. अभिव्यक्ति-शृंखला, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड तम्बाकू विरोधी अभियान, जेंडर-संवेदी शिक्षा के प्रोत्साहन, विरासत शिक्षा, मूल्य शिक्षा, जीवन-कौशल कार्यक्रमों, स्वच्छ भारत अभियान तथा अपने संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस समारोह, के.मा.शि.बो.– राष्ट्रीय विज्ञान-प्रदर्शनी, विद्यालयी स्वच्छता मूल्यांकन, के.मा.शि.बो. वन्यजीवन और पर्यावरण प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता अभियान में भागीदारी के माध्यम से सामाजिक पर्यावरणिक चेतना के स्तर को उठाया है।

इस नव वर्ष 2015 में बोर्ड निम्नलिखित अभिक्रमों के प्रतिपालन द्वारा अग्रसर होने को प्रतिबद्ध है:

1. **विद्यालय का गुणात्मक मूल्यांकन और प्रमाणन:** SQAA, एक सतत गुणात्मक सुधार को सुविधाजनक बनाने के लिए, बाह्य एवं आंतरिक मूल्यांकन के मानकीकृत उपकरणों के माध्यम से विद्यालय मूल्यांकन को प्रस्तुत करता है। जिन्होंने पहली बार में मान्यता प्राप्त नहीं की है उन्हें अगले छह महीने में, विद्यालय गुणात्मक मूल्यांकन एवं प्रमाणन के साथ सुधार के लिए एक अवसर मिलता है क्योंकि विद्यालयों के लिए कोई श्रेणीक्रम-व्यवस्था नहीं है। प्रमाणन, शैक्षिक प्रक्रियाओं एवं परिणामों, सह-शैक्षिक प्रक्रियाओं एवं परिणामों, मानव

संसाधनों, बुनियादी सुविधाओं, प्रशासन एवं प्रबंधन, नेतृत्व एवं लाभार्थियों की संतुष्टि के क्षेत्र में प्रदर्शन के आधार पर विद्यालय के कामकाज के मूल्यांकन पर आधारित है। अब प्रमाणन के लिए आवेदन करना अनिवार्य है। जो विद्यालय प्रमाणन प्राप्त करते हैं, वे अगले 5 वर्षों के लिए अपनी स्थिति बनाए रखेंगे।

2. **प्राचार्यों और शिक्षकों के लिए सशक्तीकरण कार्यक्रम :** बोर्ड, प्रौद्योगिकी के उपयोग के संदर्भ में विद्यालय प्रमुखों तथा शिक्षकों के क्षमता-निर्माण में निरंतर जुटा हुआ है। ई-लर्निंग के साथ-साथ शासन एवं क्षमता निर्माण के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म कार्यान्वयन की प्रक्रिया में है। अत: शिक्षकों के लिए सेवारत-प्रशिक्षण कार्यक्रम,विद्यालय आधारित मूल्यांकन के कार्यान्वयन, कक्षा कक्ष में प्रभावीरूप से ICT के प्रयोग के प्रति तत्परता, शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी तथा आनंदप्रद बनाने की प्रभावी शिक्षण तकनीकों, लैंगिक संवेदनशीलता, जीवन कौशल के विकास, प्रभावी संप्रेषण कौशलों, रचनात्मक आकलन, प्रभावीरूप से छात्रों एवं समाज की आवश्यकताओं के अनुसार व्यवहार करने वाली नेतृत्व क्षमता एवं दक्षता-निर्माण तथा नि:शक्त बच्चों की आवश्यकताओं के प्रति शिक्षकों को संवेदनशील बनाने के क्षेत्र में दक्षता के विकास पर ध्यान केंद्रित करेंगे।
3. **सूचीगत एजेंसियों का प्रबोधन एवं मूल्यांकन (M&E):** शिक्षक प्रशिक्षण में गुणवत्ता मानकों की वैधता, विश्वसनीयता एवं पुनरुत्पादनीयता को सुनिश्चित करने के लिए, औचित्य और पर्याप्तता (संख्या एवं मूल्य के संदर्भ में) इन दोनों को अंगीकार करने के लिए प्रबोधन एवं मूल्यांकन निर्देश चिह्नों को विकसित किया गया है। एजेंसियों को अपने मानकों के सुधार के लिए एक सशक्त प्रेरणा उपलब्ध कराने तथा श्रेष्ठ उद्यम प्रथाओं को स्वीकार करने को प्रोत्साहित करने के लिए श्रेष्ठ घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रथाओं की तुलना में विविध एजेंसियों एवं पाठ्यक्रमों/कार्यक्रमों के मूल्यांकन निर्देश चिह्नों की तुलना एवं श्रेणीकरण का प्रावधान है। प्रत्येक एजेंसी के कार्यक्रमों का मूल्यांकन निम्नांकित आधार पर किया जाता है:
    क) प्रासंगिकता: किस हद तक यह कार्यक्रम अपने निर्धारित उद्देश्यों के अनुकूल है।
    ख) प्रभावशीलता : किस हद तक यह कार्यक्रम अपने उद्देश्यों को प्राप्त करता है।
    ग) कुशलता: आउटपुट (गुणात्मक और मात्रात्मक) तथा इनपुट के बीच सह संबंध।
4. **भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों की संस्कृति एवं विरासत के प्रति छात्रों को संवेदनशील बनाना:** बेजबरुआ समिति की रिपोर्ट के सुझावों के अनुसार बोर्ड, उत्तर-पूर्वी राज्यों पर आधारित पाठ्यक्रम सामग्रियों एवं परियोजना आधारित गतिविधियों के विकास के लिए विषयों को ग्रहण कर रहा है। बोर्ड ने, सिक्किम राज्य के छात्रों के लाभ हेतु पाठ्यक्रम में चार नई भाषाओं की शुरूआत को मंजूरी दी है। भाषाएँ-शैक्षणिक सत्र 2015-16 से विद्यालयों द्वारा पेश की जाएँगी जैसे राइ (131), गुरुग (132), तमांग (133) तथा शेरपा (134)|

के.मा.शि.बो. ने 14 वीं अखिल भारत के.मा.शि.बो विरासत शिक्षा प्रश्नोत्तरी में भारत के उत्तरपूर्वी राज्यों पर 25% प्रश्नों को शामिल किया था| के.मा.शि.बो हेरिटेज क्विज़ ब्रोशर के मध्य पृष्ठ में भी उत्तर-पूर्व पर प्रश्न-उत्तर के साथ उत्तर-पूर्वी भारत के आश्चर्यों को समावेश किया है। के.मा.शि.बो. फिल्म निर्माण प्रतियोगिता 2015 का आयोजन होने जा रहा है, जिसके विषय निम्नांकित है:

- पूर्वोत्तर भारत –असीम सौंदर्य की भूमि
- उत्तरपूर्व के जीवंत/ रंगारंग त्यौहार

- उत्तर पूर्वी भारत पर्यटन – यात्रा आकर्षण
- उत्तर पूर्व के शिल्प
- उत्तर पूर्व की वनस्पति और जीव-जंतु

5. **के.मा.शि.बो की उड़ान परियोजना:** उड़ान परियोजना का उद्देश्य स्कूली शिक्षा एवं इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा के अंतराल को सम्बोधित करना एवं स्कूली स्तर पर विज्ञान एवं गणित शिक्षण को समृद्ध करना है। इंजीनियरिंग (प्रौद्योगिकी) संस्थानों में छात्राओं के प्रवेश के अनुपात को बढ़ाना भी इसका उद्देश्य है। कक्षा XI एवं XII के स्तरों पर विज्ञान एवं गणित के शिक्षण एवं अध्ययन को समृद्ध करने के लिए छात्रों को नि:शुल्क ऑन लाइन संसाधन प्रदान करना भी उड़ान का उद्देश्य है। केमाशिबो यू-ट्यूब चैनल कक्षा XI-उड़ान और कक्षा XII-उड़ान पर भौतिकी, रसायन एवं गणित के ऑन लाइन व्याख्यान उपलब्ध हैं।
6. **सारांश-स्कूल-आत्म निरीक्षण उपकरण:** बोर्ड ने सारांश नाम से एक अन्य ऑन लाइन सुविधा प्रदान की है जिसके माध्यम से स्कूल तत्काल ही गत-सात वर्षो के कक्षा X के छात्रों के एवं 2009 से कक्षा XII के छात्रों के कार्य-प्रदर्शन का आकलन कर सकते हैं। इस तरह से 'सारांश'स्कूली अध्यापकों, प्रमुखों एवं प्रबंधकों को समस्त शिक्षण-अध्ययन प्रक्रिया में ज्ञान के स्तर एवं योजनाओं में सुधार हेतु विषय केन्द्रित चर्चा के लिए सक्षम बनाता है। विभिन्न स्तरों-राष्ट्रीय, प्रदेशीय एवं विभिन्न स्कूलों (सरकारी, निजी, केन्द्रीय विद्यालयों, जे एन वी, एवं सीटीएसए) के कार्य-निष्पादन मैट्रिक्स को अंको के साथ-साथ चार्ट एवं ग्राफ के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है।
7. **के.मा.शि.बो. अभिव्यक्ति शृंखलाएं :** केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित उन समस्त गतिविधियों में से अभिव्यक्ति शृंखला भी एक है, जो छात्रों के सम्पूर्ण विकास में सहायक है। इन शृंखलाओं के माध्यम से छात्रों को अपने लेखन, अनुसंधान एवं अभिव्यक्ति तथा अपने विचारों के आदान प्रदान के लिए एक मंच की प्राप्ति हुई है। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं राज्य बोर्ड से संलग्न सभी विद्यालय इसमें भाग ले सकते हैं। इसका कार्यक्षेत्र सभी 22 भाषाओं के साथ-साथ अंग्रेजी में राष्ट्रीय स्तर पर फैला हुआ है। मुझे आपको यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि राष्ट्र के सभी प्रान्तों से असंख्य प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई हैं। छात्रों को अपने विचारों एवं रचनात्मक आत्म-अभिव्यक्ति का अवसर मिला है। अब तक की दस ऐसी शृंखलाओं में तीन लाख से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया है। बोर्ड विद्यार्थियों को 2,500/- रुपये से 25,000/- रुपये तक के पुरस्कार भी प्रदान कर रहा है |
8. **कक्षा IX और XI के लिए समस्या समाधान आकलन (PSA):** दी गई जीवन स्थितियों को विश्लेषित करने, लिखित सामग्री व आंकड़ों को समझने की योग्यताओं का मूल्यांकन करने और अन्य आवश्यक उच्च स्तरीय चिंतन एवं तार्किक कौशलों का समावेश करने के उद्देश्य से बोर्ड ने अनिवार्य रूप से कक्षा IX व XI के छात्रों के लिए समस्या समाधान आकलन को शैक्षणिक सत्र 2012-13 से प्रारंभ किया हैं। PSA तीन विस्तृत क्षेत्रों भाषात्मक परिपाटियों, गुणात्मक व मात्रात्मक तर्कणा पर तैयार किया जाता है PSA के प्रश्न पत्र 60 अंकों के बहुविकल्पीय प्रश्न के प्रारूप पर बनाए जाते हैं। गत वर्षो के प्रश्न पत्र अंकतालिका के साथ शैक्षणिक वेबसाइट www.cbseacademic.in पर अपलोड किये गए हैं।

9. **समावेशी शिक्षा कक्ष का सृजन एवं समावेशी प्रथाओं का प्रवर्तन:** समावेशी शिक्षा क्षेत्र में उपलब्ध अनुसन्धान और बोर्ड के विभिन्न हितधारकों, शिक्षा विशेषज्ञों के साथ अभिक्रिया विविध परिवर्तनशील सन्दर्भों की ओर संकेत करते हैं, जो हमारे लिए चुनौती है | अतः बोर्ड ने एक समावेशी शिक्षा कक्षा का गठन किया है ताकि इन सन्दर्भों को पढ़ा जा सके और अनुकूल कार्यक्रमों और योजनाओं को प्रस्तावित किया जा सके|

   बोर्ड वैचारिक तौर पर अपने संस्थानों को अभिसंरचना एवं कार्यान्वयन नीतियों के रूप में समावेशी स्कूल के रूप में बनाने का दृढ़ता से गुहार करता है जैसा कि नि:शक्त व्यक्ति अधिनियम 1995 एवं बोर्ड के संबद्धता उप-नियमों में अपेक्षित है |

10. **ऑनलाइन सहायक व्यवस्था -** केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा ऑनलाइन सहायक व्यवस्था http://online.cbsei.in/application/callcenter/. प्रारंभ की गई है, इस व्यवस्था द्वारा स्कूल और छात्र, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड संबंधी अपनी शिकायतों अथवा प्रश्नों के लिए ऑनलाईन फार्म का प्रयोग कर सकते हैं, जिसे सहायता के लिए सीधे के.मा.शि.बो. कॉल सेंटर के पास अग्रेषित किया जाएगा |

11. **के.मा.शि.बो. अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यचर्या :** बोर्ड ने अपने अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रम का cbse-i के नाम से लोकार्पण किया, जिसका लक्ष्य भारतीय शिक्षण पद्धति की मूलभूत क्षमताओं को प्रस्तुत करना है। अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रम में गणित और विज्ञान विषयों में मूलभूत कौशलों की नींव के साथ एक अंतर सम्मिलित है | वह अंतर यह है कि गणित दो स्तरों में उपलब्ध कराया गया है –'मूल और वैकल्पिक' जो भिन्न प्रकार के विद्यार्थियों की आवश्यकताएं पूरी करता है | विज्ञान शिक्षा में आधारभूत ज्ञान के अतिरिक्त एक 'महत्त्वपूर्ण खोज' (breakthrough) भी है, जो प्राथमिक रूप से विज्ञान और तकनीक के नवीनतम खोजों का लेखा है | CBSE-i एक पारगामी पाठ्यचर्या उपागम है, जिसका मूल दृष्टिकोण , जीवन-कौशल, SEWA और अनुसन्धान प्रोजेक्ट आदि हैं | CBSE-i पाठ्यक्रम के विवरण के लिए कृपया http://cbse-international.com/cbse-iportal/auth/. वेबसाइट पर जाएँ | CBSE-i व CBSE-Main से सम्बंधित सवालों के लिए नोडल अधिकारी डॉ क्षिप्रा वर्मा से 011-23231067 पर अथवा ई-मेल kshipraverma.cbsei@gmail.com पर संपर्क किया जा सकता है|

12. **वाचन और श्रवण कौशलों का मूल्यांकन (ASL):** विश्व को एक दूसरे के करीब लाने में अंग्रेज़ी ने एक संपर्क भाषा के रूप में मुख्य भूमिका अर्जित की है| यद्यपि सभी भाषा कौशलों को अंग्रेज़ी भाषा पाठ्यक्रम में संकलित करने की आवश्यकता है , बच्चों को सम्प्रेषण कौशलों में समर्थ बनाने के लिए वाचन और श्रवण योग्यताओं को प्रोत्साहित किया जाना चाहिये | अतः कक्षा IX और XI में वाचन और श्रवण कौशलों का औपचारिक परीक्षण होता है , जिसके SA 1 और SA II में कुल मिलाकर 20 % अंक नियत किए गए हैं | उपयुक्त सामग्री शैक्षणिक वेबसाइट www.cbseacademic.in के अंतर्गत 'ASL.Gateway' टैब से प्राप्त की जा सकती है|

13. **यू-ट्यूब पर केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का चैनल** – यू-ट्यूब पर केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का चैनल www.youtube.com/cbsechannel बोर्ड से संबद्ध स्कूलों की गतिविधियों को समर्पित है। सभी स्कूलों को विषयों, जैसे स्वास्थ्य एवं तंदुरुस्ती, जेन्डर संवेदनशीलता, सामुदायिक पहुँच, जीवन कौशल, मूल्य शिक्षा, विरासत, आपदा प्रबंध, सामाजिक समस्याएँ, पर्यावरण सम्बंधी विषय एवं शिक्षण-अधिगम की नई पद्धतियों आदि पर बने उनके लघु फिल्म, रोल प्ले, वार्ताएँ एवं चर्चाएँ, वाद-विवाद, प्रस्तुतियाँ एवं अन्य

गतिविधियाँ को अपलोड करने के लिए आमन्त्रित किया जाता है। कृपया इस सम्बन्ध में केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की अधिसूचना को www.cbseacademic.in वेबसाइट पर देखें |

14. **नए वैकल्पिक विषय (इलेक्टिव) :** मौजूदा सामाजिक और आर्थिक माँग के प्रत्युत्तर में 2013-14 में कक्षा XI में और 2014-15 में, कक्षा XII में कानूनी अध्ययन, थियेटर अध्ययन, मानवीय अधिकार और जेन्डर अध्ययन, एन. सी. सी और लायब्रेरी साइंस ,जैसे इलेक्टिव विषयों को प्रारंभ किया गया। 2015-16 के सत्र में इन विषयों को अपने विद्यालयों में प्रारंभ करने के लिए विद्यालय आवेदन दे सकते हैं।

इस वर्ष 'अध्यक्ष के साथ बात करें' लिंक जोकि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड शैक्षिक वेबसाइट का अंश है, के माध्यम से हितधारकों के व्यापक जानकारी के आधार पर 'FAQ's' को वेबसाइट www.cbse.nic.in में सम्मिलित किया गया है| यदि अध्यापकगणों एवं शिक्षार्थियों को किसी जानकारी की आवश्यकता होती है तो उनसे अनुरोध है कि वे इस वेबसाइट में जाएँ। अपने सभी हितधारकों से आग्रह है कि वे समय निकाल कर शैक्षिक एवं सह-शैक्षिक क्षेत्रों में विकास के सम्बन्ध में किए गए कार्यों से स्वयं को अवगत कराएँ।

विद्यालयों के साथ चलने में हमें छात्रों की आवश्यकताओं के संबंध में जानने का अवसर मिला। वास्तव में, बोर्ड ने सम्पूर्ण विकास के लिए उन्हें उत्तम अवसर प्रदान करने का सम्पूर्ण प्रयास किया है। आशा करते हैं कि भविष्य में भी हम साथ में छात्रों को मानवोचित अधिगम पारितंत्र प्रदान करने में समर्थ होंगे |

विद्या ददाति विनयं विनयाद्याति पात्रताम् |
पात्रत्वाद्धन्माप्नोति धनाद्धर्मं ततः सुखम् ||

(विद्या विनय प्रदान करती है, विनय योग्यता, योग्यता से धन, धन से धर्म और धर्म से सुख की प्राप्ति होती है।)

2015 के लिए हमारी शुभकामनाएँ आपके साथ हैं| आने वाले वर्षों में बोर्ड अधिक सामन्जस्य, निष्ठा एवं विवेक के साथ आगे बढ़ने की इच्छा रखता है|

डॉ सतबीर बेदी

अध्यक्ष

निवेदन के साथ, सभी निदेशालयों, संगठनों और संस्थानों के प्रमुखों को, जैसा कि नीचे दर्शाया गया है, उन्हें अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी विद्यालयों को सूचना देने के लिए प्रतिलिपि:

1 आयुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, 18-इन्सटिट्यूशनल एरिया, शहीद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110016
2 आयुक्त, नवोदय विद्यालय समिति, बी -15, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर 62, नोएडा 201307
3 शिक्षा निदेशक, शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, पुराना सचिवालय, नई दिल्ली-110054
4 निदेशक, सार्वजनिक निर्देश (विद्यालय), केन्द्र शासित प्रदेश सचिवालय, सेक्टर-9 चंडीगढ़-160017
5 शिक्षा निदेशक, सिक्किम सरकार, गंगटोक, सिक्किम-737101
6 निदेशक, विद्यालयी शिक्षा, अरुणाचल प्रदेश सरकार, ईटानगर-791111
7 शिक्षा निदेशक, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह सरकार, पोर्ट ब्लेयर-744101
8 राज्य शिक्षा संस्थान, के.मा.शि.बो. कक्ष वी.आई.पी. मार्ग जंगली घाट. पी.ओ.-744103 अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह।

9 केन्द्रीय तिब्बती विद्यालय प्रशासन, एस.एस. प्लाज़ा, सामुदायिक केन्द्र, सेक्टर-3, रोहिणी, दिल्ली-110085
10 आर्मी एडुकेशन के अपर निदेशक जनरल, ए-विंग, सेना भवन, डीएचक्यू, पीओ, नई दिल्ली-110001
11 सभी क्षेत्रीय निदेशक। के.मा.शि.बो. के सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को अपने संबंधित क्षेत्रों में बोर्ड से संबद्धता प्राप्त विद्यालयों के प्रमुखों को परिपत्र की प्रति भेजने के अनुरोध के साथ।
12 सभी एसोसिएट प्रोफेसर एवं अपर निदेशक/सलाहकार/परामर्शदाता
13 सभी अपर निदेशक/संयुक्त निदेशक/अप निदेशक/सह-निदेशक, वोकेशलन सेल, के.मा.शि.बो.
14 के.मा.शि.बो. की वेबसाइट पर इस परिपत्र को अपलोड करने के अनुरोध के साथ अनुसंधान अधिकारी (तकनीकी)
15 सभी सहायक प्रोफेसर एवं अपर निदेशक, के.मा.शि.बो.
16 सभी सहायक प्रोफेसर एवं उप निदेशक, के.मा.शि.बो.
17 उप निदेशक (परीक्षा एवं सुधार), के.मा.शि.बो.
18 असिस्टेंट लाइब्रेरियन, के.मा.शि.बो.
19 जन संपर्क अधिकारी, के.मा.शि.बो.
20 हिंदी अधिकारी, के.मा.शि.बो.
21 अध्यक्ष, के.मा.शि.बो., के निजी सचिव
22 सचिव, के.मा.शि.बो. के निजी सचिव
23 परीक्षा नियंत्रक, के.मा.शि.बो. के अनुभाग अधिकारी
24 निदेशक (विशेष परीक्षा तथा सी.टी.ई.टी.), के.मा.शि.बो., के निजी सचिव
25 प्रोफेसर एवं निदेशक (शैक्षणिक/अनुसन्धान/प्रशिक्षण एवं नवाचार), के.मा.शि.बो. के निजी सहायक
26 निदेशक (सूचना प्रौद्योगिकी) के निजी सहायक
27 निदेशक (एडुसैट) के निजी सहायक

अध्यक्ष